VOLUME-7, ISSUE-1, JANUARY-2018 • PRINT ISSN No 2277 - 8160

Original Research Paper

Education

उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. मुरलीधर मिश्रा एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान-304022

ABSTRACT क्या उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के शिक्षण अधिगम की माध्यम भाषा उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा से स्वतंत्र है? इस प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के लिए उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का 'वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि' की सहायता से अध्ययन किया गया। न्यादर्श में चयनित संस्कृत माध्यम के 206 एवं हिन्दी माध्यम के 416 विद्यार्थियों से उपलब्धि अभिप्रेरणा सम्बन्धी प्रदत्तों प्राप्ति के लिए वी.पी. भार्गव द्वारा विकसित एवं मानकीकृत 'उपलब्धि अभिप्रेरणा परीक्षण' का प्रशासन किया गया। प्रदत्त-विश्लेषण के क्रम में आवृत्ति एवं प्रतिशत विश्लेषण के साथ काई-वर्ग मान का परिकलन किया गया। निष्कर्ष रूप में यह पाया गया कि उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा उनके भाषा माध्यम से स्वतंत्र है अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा और उनके शिक्षण अधिगम की माध्यम भाषा के मध्य साहचर्य सांख्यकीय रूप से सार्थक नहीं है।

KEYWORDS : उच्च माध्यमिक स्तर, संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम, उपलब्धि अभिप्रेरणा, काईवर्ग परीक्षण, तुलनात्मक अध्ययन

सम्प्रत्ययात्मक पृष्ठभूमि

अभिप्रेरणा एक विशिष्ट आन्तरीकरण अथवा दशा है जो क्रिया को शुरू करने या उसे जारी रखने में निहित होती है। अभिप्रेरणा वह शक्ति है जो किसी कार्य को करने के लिए अतिरिक्त लग्न और उत्साह प्रदान करती है। यह जहाँ व्यवहार को संचालित एवं दिशा प्रदान करती है; वहीं इसका विशिष्ट रूप उपलब्धि अभिप्रेरणा, उपलब्धि एवं अधिगम के लिए प्रासंगिक व्यवहार को निर्धारित करती है। यह नये कौशल विकसित करके उनका का उत्साहजनक उपयोग करने में समर्थ बनाती है। इसका प्रभाव जीवन के विविध पक्षों पर होता है। एटकिन्सन (1964), वियनेर (1972), स्टीवन्सन एवं अन्य (1990).

उपलब्धि अभिप्रेरणा विकास का उपागम सीखने के उद्देश्यों पर बल देता है। शोधकर्ताओं के अनुसार जब विद्यार्थी प्रदर्शन लक्ष्य पर अधिक जोर देते हैं तब वे नकारात्मक अभिप्रेरणा से जुड जाते हैं और अधिगम उद्देश्य पर बल देने वाले विद्यार्थी अनुकूल अभिप्रेरणा से जुडते हैं। इस सम्बन्ध में बटलर (1987) ने पाया कि जो विद्यार्थी विस्तृत चिन्तन वाले कार्य पर अपने प्रदर्शन एवं योग्यता से सम्बन्धित प्रतिपुष्टि प्राप्त करते हैं, वे कार्य सम्बन्धी टिप्पणी या प्रतिपुष्टि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की तुलना में कम स्वाभाविक अभिप्रेरणा प्रदर्शित करते हैं। एम्स (1990) ने ऐसे कार्यक्रम का संगठन किया, जिसमें विद्यार्थियों की रुचि एवं आवश्यक कौशल के विकास द्वारा अधिगम लक्ष्य प्राप्त करने पर बल दिया गया। इन्होंने पाया कि इस कार्यक्रम से अभिप्रेरणात्मक समस्या वाले विद्यार्थियों को अभिप्रेरणात्मक लाभ मिला और उनकी स्वाभाविक अभिप्रेरणा और अन्तर्बोधित योग्यता तुलनात्मक रूप से उच्च हुई।

संस्कृत भारतीय उपमहाद्वीप की एक शास्त्रीय भाषा है। आधुनिक भारतीय भाषाएँ जैसे, हिंदी, सिन्धी, मराठी, पंजाबी आदि इसी से उत्पन्न हुई हैं। इस संश्लेषणात्मक भाषा का व्याकरण सुस्पष्ट और इसकी वर्णमाला वैज्ञानिक है। विभक्ति और वचन के अनुसार सभी शब्द प्रयुक्त होने के कारण वाक्यों में शब्दों को किसी भी क्रम में रखा जा सकता है। क्रम बदलने पर भी अर्थ सुरक्षित रहता है। महत्वपूर्ण साहित्यिक धरोहर के कारण इसकी वैश्विक महत्ता है। जबकि हिंदी अनेक बोलियों का मानकीकृत रूप है, जिसमें संस्कृत के तत्सम शब्दों का प्रयोग अधिक है। यह संवैधानिक रूप से भारत की प्रथम राजभाषा और भारत के सर्वाधिक भू-भाग पर बोली जाने वाली तथा चीनी तथा अंग्रेजी के बाद विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा भी है। हिन्दी राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, जनभाषा के स्तर को पार कर विश्वभाषा बनने की ओर अग्रसर है। अपनी प्रकृति में हिंदी विश्लेषणात्मक भाषा है।

संस्कृत एवं हिन्दी भाषा के क्षेत्र, प्रकृति एवं साहित्यिक विरासत के साथ-साथ शैक्षिक, सामाजिक, राजनैतिक, वृत्तिक संभावनाओं की दशा और दिशा में समानताओं के बावजूद पर्याप्त विषमतायें विद्यमान हैं। उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययन के लिए इन भाषा माध्यमों का चयन एक हद तक शैक्षिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं वृत्तिक संभावनाओं पर निर्भर हो सकता है। ऐसे में क्या उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के अनुदेशन की भाषा (संस्कृत तथा हिन्दी) उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा से स्वतंत्र है? इस प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के लिए उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

अध्ययन उद्देश्य

सम्प्रत्ययात्मक विवेचना के आधार पर अध्ययन उद्देश्य 'उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना' का निर्धारण किया गया।

अध्ययन परिकल्पना

उद्देश्य की सम्प्राप्ति के लिए स्वतंत्र नहीं (साहचर्य नहीं) के रूप में अध्ययन परिकल्पना 'उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा उनके भाषा माध्यम से स्वतंत्र नहीं है' का विकास किया गया।

अध्ययन विधि

संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन एवं वर्णन 'जैसी कि वह उस समय है' के आधार पर करना था। इसलिए यह अध्ययन 'वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि' की सहायता से किया गया।

जनसंख्या, न्यादर्शन एवं न्यादर्श

राजस्थान राज्य के जयपुर जिले में स्थित 10+2 स्तर के संस्कृत माध्यम के 7 एवं हिन्दी माध्यम के 12 विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। चयनित विद्यालय की कक्षा ग्यारह के समस्त विद्यार्थियों को गुच्छ रूप में चयनित किया गया। अध्ययन के अन्तिम न्यादर्श में संस्कृत माध्यम के 206 विद्यार्थी एवं हिन्दी माध्यम के 416 विद्यार्थी चयनित हुए।

अध्ययन उपकरण एवं प्रदत्तों की प्रकृति

प्रस्तुत शोध अध्ययन में उपलब्धि अभिप्रेरणा सम्बन्धी प्रदत्त प्राप्ति हेतु वी. पी. भार्गव द्वारा विकसित एवं मानकीकृत वाक्य पूर्ति आधारित 'उपलब्धि अभिप्रेरणा परीक्षण' का प्रयोग किया गया है। इस परीक्षण से मात्रात्मक रूप में प्रदत्त प्राप्त हुए।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रदत्त-विश्लेषण के क्रम में उच्च, औसत एवं निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तरों में संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की आवृत्तियों की तुलना करने के लिए आवृत्ति एवं प्रतिशत विश्लेषण के साथ काईवर्ग परीक्षण का उपयोग किया गया।

प्रदत्त प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं अर्थापन

परीक्षण हेतु विकसित मानक के आधार पर न्यादर्श को प्राप्तांकों के

अनुसार प्रथमतः पाँच स्तरों में वर्गीकृत करने के पश्चात् सांख्यकीय अनुप्रयोग की दृष्टि से तीन उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तरों- उच्च, औसत एवं निम्न में समायोजित किया गया। फिर संस्कृत और हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की परिगणित आवृत्तियों के लिए काईवर्ग मान का परिकलन कर प्रद्तों सहित प्रस्तुतीकरण अग्रांकित तालिका में किया गया है-

तालिका: संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा

क्र.सं.	उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर	संस्कृत माध्यम	हिन्दी माध्यम	काई वर्ग का परिकलित मान
1.	उच्च	50	92	3.991*
2.	औसत	101	180	
3.	निम्न	55	144	
योग		206	416	
मुक्तांश 2 व .05 के विश्वास स्तर पर काई वर्ग का तालिका मान = 5.991				
* सार्थक नहीं				

संस्कृत और हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर में आवृत्तियों के प्रतिशत की गणना कर तुलना को आधार देने के लिए दण्ड चित्र का विकास किया गया है।

दण्ड चित्र: उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थी (प्रतिशत में)

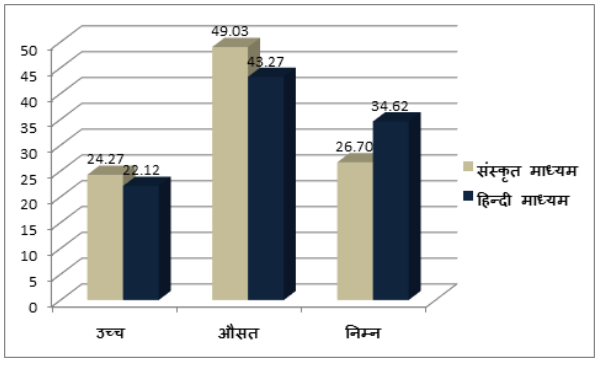

उपर्युक्त तालिका का अध्ययन करने से पता चलता है कि उपलब्धि अभिप्रेरणा के आधार पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की आवृत्तियों के लिए परिकलित काई वर्ग मान .05 के विश्वास स्तर एवं मुक्तांश 2 के तालिका मान से कम है। अतः शून्य परिकल्पना 'संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा उनके भाषा माध्यम से स्वतंत्र है' को स्वीकृत किया जाता है तथा शोध परिकल्पना 'उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा उनके भाषा माध्यम से स्वतंत्र नहीं है' को अस्वीकृत किया जाता है। अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा उनके भाषा माध्यम से स्वतंत्र है। इससे स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा और उनके शिक्षण अधिगम की भाषा के मध्य साहचर्य सांख्यकीय रूप से सार्थक नहीं है।

उपर्युक्त दण्डचित्र का अध्ययन करने से यह पता चलता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर दोनों भाषा माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का स्तर एकदम समान नहीं है। संस्कृत माध्यम के तीन चौथाई तथा हिन्दी माध्यम के लगभग दो तिहाई विद्यार्थियों ने उच्च एवं औसत उपलब्धि अभिप्रेरणा का अधिक प्रदर्शन किया है। जबकि हिन्दी माध्यम के लगभग दो तिहाई एवं संस्कृत माध्यम के केवल एक चौथाई विद्यार्थियों ने निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा प्रदर्शित की है। इस प्रकार तुलनात्मक रूप से हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की तुलना में संस्कृत माध्यम के विद्यार्थियों में उपलब्धि अभिप्रेरणा का स्तर अधिक उच्च है।

निष्कर्ष एवं परिचर्चा

उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा उनके भाषा माध्यम से स्वतंत्र है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का भाषा माध्यम से सार्थक साहचर्य नहीं है। भाषा (संस्कृत एवं हिन्दी के अतिरिक्त) एवं अभिप्रेरणा/उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सम्बन्ध की जांच के क्रम में हुए अध्ययनों के परिणामों की दिशा बिलकुल अलग है। इन अध्ययनों में फुंग एवं यिप (2014) ने हांगकांग में प्रमाण पत्र स्तरीय भौतिक विज्ञान की उपलब्धि और अभिप्रेरणा पर भाषा माध्यम के प्रभाव के अध्ययन में अंग्रेजी की तुलना में चाइनीज़ भाषा के विद्यार्थियों को अधिक अभिप्रेरित पाया। रहमान एवं अन्य (2010) ने मलेशिया में अंग्रेजी भाषा में आत्म प्रभावकता एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सार्थक सम्बन्ध पाया। सुथा एवं शिर्लिन (2017) ने कन्याकुमारी जिले में उ.मा. स्तर पर तमिल अनुदेशन माध्यम के विद्यार्थियों में अंग्रेजी की तुलना में उपलब्धि अभिप्रेरणा का स्तर सार्थक रूप से उच्च पाया। क़ादरी (2017) ने हैदराबाद जिले में किये अध्ययन में तेलगु तथा अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर में सार्थक अंतर पाया।

संस्कृत एवं हिन्दी भाषा के परस्पर सम्बन्ध एवं हिंदी भाषी क्षेत्र में अध्ययन की संपन्नता को देखते हुए अध्ययन का उक्त निष्कर्ष न्यायोचित हो सकता है फिर भी और बेहतर अनुमान के लिए शोधकर्ता भिन्न जनसांख्यकीय सन्दर्भ, बड़े न्यादर्श एवं उपलब्धि अभिप्रेरण के किसी अन्य मापक का उपयोग करते हुए नवीन सन्दर्भ में पुनः अध्ययन की आवश्यकता प्रकट करता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. एम्स, सी. (1990). एचीवमेंट गोल्स एण्ड क्लासरूम स्ट्रक्चर: डवलपिंग अ लर्निंग ओरियन्टेशन, बोस्टन: अमेरीकन एज्यूकेशनल रिसर्च एसोसियशन.
2. एटकिन्सन, जे. डब्ल्यू. (1964). एन इन्ट्रोडक्शन टू मोटिवेशन. प्रिंसटन: एन. जे.. वेन नोस्टराण्ड रेनहोल्ड.
3. बटलर, आर. (1987). टास्क इन्वोल्विंग एण्ड इगो इन्वोल्विंग प्रोपर्टीज ऑफ़ इवेल्वेटीव सिचुएशन्स: इफेक्ट्स ऑफ़ डिफरेन्ट फीडबैक कन्टीशन्स ऑन मोटिवेशनल पर्सेप्शन्स, इन्टरेस्ट एण्ड परफोर्मेन्स. जर्नल ऑफ़ एज्यूकेशनल साइकोलॉजी. 1987, 79 (4), 474-82.
4. फुंग, डेनिस एंड यिप, वलेरी (2014). दा इफेक्ट्स ऑफ़ दा मीडियम ऑफ़ इंस्ट्रक्शन इन सर्टिफिकेट -लेवल फिजिक्स ऑन अचीवमेंट एंड मोटिवेशन टू लर्न. जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन साइंस टीचिंग. दिसंबर, 51(10), 1219-1245
5. गैरेट हेनरी ई. एण्ड बुडवर्थ, आर. एस. (1971). स्टेटिस्टिक इन साइकोलॉजी एण्ड एजुकेशन. बोम्बे: वकील्स, फेफर एण्ड साइमन प्राइवेट लिमिटेड.
6. मैक्मिलन, जेम्स एच. एण्ड शूमाकर सेली (1997). रिसर्च इन एजुकेशन: अ कान्सेप्चुअल इन्ट्रोडक्शन. न्यूयार्क: लोंगमैन.
7. मूर, टी. (1967). लैंग्वेज एण्ड इंटेलिजेंस: अ लॉगिट्युडीनल स्टडी ऑफ़ दा फर्स्ट एट इयर्स. आई. पैटर्न्स ऑफ़ डेवलपमेंट इन बॉयज एण्ड गर्ल्स. ह्यूमन डेवलपमेंट. 10(2):88-106.
8. क़ादरी, मोहम्मद अकबरूल (2017). अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू देयर जेंडर एंड मीडियम ऑफ़ इंस्ट्रक्शन:एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ़ हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ अकादमिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट. सितम्बर, 2(5), 813-816.
9. रहमान, सेमह, माज़लान, मैलातुलसईमा, कुम्मिन, सादियाह रुहीजन, टी., मोहम्मद यासीन एंड मीर:, सुबहान मोहम्मद (2010). एक्सामिनिंग दा रोले ऑफ़ लैंग्वेज ऑन स्टूडेंट्स अचीवमेंट : अ स्टडी ऑन दा यूज ऑफ़ सेकंड लैंग्वेज एस अ मीडियम ऑफ़ इंस्ट्रक्शन इन टीचिंग साइंस सब्जेक्ट इन मलेशिया. प्रोसेडिया - सोशल एंड बिहेवियरल साइंसेज. 9, 1261-1265.
10. स्टीवन्सन, एच. डब्ल्यू. एट. ऑल (1990). कान्टेक्सट ऑफ़ एचीवमेंट: अ स्टडी ऑफ़ अमेरीकन, चाइनीज एण्ड जापानीज चिल्ड्रेन. मोनोग्राफ ऑफ़ सोसायटी फॉर रिसर्च इन चाइल्ड डवलपमेंट. 55 (1-2) (221), 123.
11. सुथा, एम. एंड शर्लिन. पी. (2017). क्लासरूम क्लाइमेट एंड अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ़ हायर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च-ग्रंथालया:, 5(3)एसई, 23-32. https://doi.org/१०.५२८१/zenodo.५४५९६१.
12. वाजपेयी, ए., डसेन, पी. आर., एण्ड मिश्रा, रमेश सी. (२००४). स्पाटिअल एन्कोडिंग: अ कम्पेरिजन ऑफ़ संस्कृत एण्ड हिंदी मीडियम स्कूल्स. http://www.unige.ch/fapse/SSE/teachers/dasen/home/pages/doc/allahabadvajpayee.pdf retrieved on Nov., 2017.
13. वियनेर, बी. (1972). थियरीज ऑफ़ मोटिवेशन: फ्रॉम मैकेनिज्म टू कोगनेशन, स्कोकी, इल, रेन्ड मैकनेली.
14. वियनेर, बी. (1986). एन अटरीव्यूशनल थियरी ऑफ़ मोटिवेशन एण्ड इमोशन, न्यूयार्क, स्प्रिंगर-वरलाग.
15. व्होर्फ, बेंजामिन ली. (1956). लैंग्वेज, थॉट, एण्ड रियलिटी. सिलेक्टेड वरिटिंग्स. कैंब्रिज: टेक्नोलॉजी प्रेस ऑफ़ मेसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी.एडिटेड एण्ड विथ एन इंट्रोडक्शन बाय जॉन बी. कारोल. फॉरवर्ड बाय स्टुअर्ट चेस.